भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **2147** जिसका उत्तर
शुक्रवार, **15 दिसंबर**, **2023/24** अग्रहायण, 1945 (शक) को दिया जाना है

गंगा नदी से माल का परिवहन

2147. श्री दुलाल चन्द्र गोस्वामी :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का जलमार्ग के माध्यम से माल-परिवहन के लिए बिहार में गंगा नदी पर बड़े माल-परिवाहक जहाज चलाने का कोई विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या माल परिवहन कार्गो के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए गंगा नदी पर कोई काम चल रहा है: और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): वर्ष 2022-23 में राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (रा.ज.-1) अर्थात् गंगा – भागीरथी – हुगली नदी प्रणाली में 1,31,69,853 मीट्रिक टन (एमटी) कार्गो का आवागमन दर्ज किया गया है, जिसमें 1845.8 एमटी का बड़े आकार का कार्गो (ओडीसी) शामिल है, जिसे अन्य साधनों द्वारा ले जाना कठिन है। वर्ष 2022-23 के दौरान बिहार में 4 ओडीसी आवागमन का विवरण नीचे दिया गया है:

क्र.सं.	माह	वर्ष	उद्गम	गंतव्य	सामग्री	कार्गो एमटी में	शिपर
1	मई	2022	बज बज	बक्सर	ट्रांसफॉर्मर	379	एलएंडटी लिमिटेड
2	फरवरी	2023	कोलकाता	सेमरिया	डीजल एचडीटी रिएक्टर्स	703.5	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन
3	फरवरी	2023	कोलकाता	बक्सर	जनरेटर स्टेटर	379	बक्सर थर्मल पावर प्रोजेक्ट
4	फरवरी	2023	डायमंड हार्बर	सेमरिया	रिएक्टर	384.3	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन
					कुल	1845.8	

(ग) और (घ): प्रयागराज से हल्दिया तक गंगा नदी (गंगा-भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली) को राष्ट्रीय जलमार्ग-1 के रूप में घोषित किया गया है। नौगम्यता में सुधार करने और परिवहन का एक लागत प्रभावी, पर्यावरण अनुकूल और सुरक्षित अनुपूरक माध्यम उपलब्ध कराने हेतु भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) द्वारा 5362.27 करोड़ रु. की लागत पर जलमार्ग विकास परियोजना (हल्दिया से वाराणसी) शुरू की गई है। जेएमवीपी परियोजना के विकास का उद्देश्य लॉजिस्टिक्स की हैंडलिंग के लिए अंतर्देशीय जलमार्गों की परिवहन क्षमता और टिकाऊपन में वृद्धि करना है। इस परियोजना के मुख्य अनुमानित परिणाम नीचे दिए गए हैं:

i. तीन स्थानों - वाराणसी, साहिबगंज और हल्दिया में मल्टीमोडल टर्मिनलों तथा कालूघाट में इंटरमोडल टर्मिनल का निर्माण।
ii. फरक्का में नयी नौचालन लॉक का निर्माण।
iii. ड्रेजिंग, नदी प्रशिक्षण कार्यों आदि के माध्यम से फेयरवे विकास।
iv. नौचालन के लिए जीपीएस, आरआईएस और नदी मानचित्रों और चार्टों सहित नौचालन सहायताओं, जैसे चैनल मार्किंग, रात्रि कालीन नौचालन सहायताओं का प्रावधान।
v. रा.ज.-1 में 60 से ज्यादा सामुदायिक जेट्टियों का निर्माण।
vi. फरक्का में मौजूदा नौचालन लॉक का उन्नयन।
vii. क्विक पोंटून ओपनिंग प्रणाली की स्थापना।

दिनांक 30.11.2023 की स्थिति के अनुसार इस परियोजना में 59.89% की वास्तविक प्रगति तथा 59.35% की वित्तीय प्रगति हासिल की गई है।

*****